



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 176]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 20, 1992/चैत्र 31, 1914

No. 176]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 20, 1992/CHIATRA 31, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1992

सं. 160/92--सोमाशुल्क

सा.का.नि. 433 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सोमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, पूँजी माल को जब उसका भारत में इससे उपाय सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट किसी आयातकर्ता द्वारा आयात किया जाए, उस पर उद्ग्रहणीय उतने सोमाशुल्क से जो सोमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1974 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, जो तब सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दर पर परिगणित रकम में अधिक है और उक्त सोमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क में, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

- (1) पूँजी माल का निर्यात और आयात नीति (जिसे इसमें इसके पश्चात् नीति कहा गया है) के अनुसार निर्यात संबंधित पूँजी माल (नि.स.पू.मा) स्कीम के अन्तर्गत किसी अनुज्ञप्ति के अधीन और उसके अनुसार निर्यात किया जाता है;
- (2) आयातकर्ता, निकासी के समय, सहायक सोमाशुल्क कलक्टर को नीति के पैरा 45 के अधीन बंधपत्र निष्पादित किए जा चुकने के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी से प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा; और
- (3) आयातकर्ता, उक्त पूँजी माल को निकासी के समय, सहायक सोमाशुल्क कलक्टर के समक्ष ऐसे प्रमाण में जो वह विनिर्दिष्ट करे, अपने आपको आवद्ध करते हुए मांग किए जाने पर ऐसे पूँजी माल पर, जिसके संबंध में उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट शर्तों का पालन नहीं किया गया है, उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का, यदि इसमें अन्तर्निहित छूट न होगी तो संदाय करने के लिए, घोषणा करेगा।

(1) माल का आयात, पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए नीति के पैरा 46 के प्रयोजन के लिए अनुशासन प्राधिकारी द्वारा अनुदत्त अनुशक्ति

- (जिसे इसमें इसके आगे उक्त अनुज्ञप्ति कहा गया है) के अधीन और उसके अनुसार किया जाता है;
- (2) अन्य बातों के साथ-साथ उक्त अनुज्ञप्ति—
- (क) उक्त अनुज्ञप्ति के अधीन आयात किए जाने वाले संघटकों का वर्णन, मात्रा और मूल्य को;
- (ख) विनिर्माण किए जाने वाले पूंजी माल का वर्णन, मात्रा और मूल्य को, विनिर्दिष्ट करती है;
- (3) आयातकर्ता, उक्त अनुज्ञप्ति की वाबत, नीति में विनिर्दिष्ट सभी श्रेक्षाओं का अनुपालन करता है;
- (4) आयातकर्ता, आयात पत्तन पर, ऐसे प्ररूप में और उस राशि के लिए जो कि सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, इस आशय का बंधपत्र निष्पादित करता है कि—
- (1) संघटकों का ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाएगा और आयातकर्ता द्वारा विनिर्माण किए गए पूंजीमाल का प्रदाय, पूंजीमाल के आयात के लिए नीति के निबंधनों के अनुसार पूंजीमाल निर्यात संवर्धन (ई पी सी जी) स्कीम के अधीन अनुज्ञप्ति धारक व्यक्ति को किया जाएगा;
- (2) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए आयातकर्ता कारखाने में अधिप्राप्त और उपभोग किए गए उक्त संघटकों का लेखा रखा जाएगा;
- (3) वह, उस सीमा शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र जिसकी अधिकारिता में पूंजीमाल को अधिप्राप्त करने वाली यूनिट अवस्थित है, प्रस्तुत करेगा, जिसमें तीन ग्रास की अवधि या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जिसे आयात पत्तन पर सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञापन करे आयातकर्ता द्वारा प्रदत्त ऐसे पूंजीमाल का वर्णन और मात्रा उपर्युक्त होगी; और
- (4) वह उपरोक्त जिम्मे शी धर्ते का अनुपालन करने में असमर्थ रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, संघटकों पर उद्यद्गणीय शुल्क यदि हममें उद्यद्गणीय छूट न होती, का संदाय करेगा।

## स्पष्टीकरण:

इस अधिसूचना में—

- (1) "पूंजीमाल" से किसी आयातकर्ता द्वारा मात्रा के विनिर्माण के लिए अंशित फोर्ड संयंत्र, मशीनरी, उपकरण या उपसाधन अभिप्रेत है और इसमें मात्रा पैक करने के लिए मशीनरी, परीक्षण उपकरण और अनुसंधान और विकास किया-कलाओं के लिए अपेक्षित उपकरण है;
- (2) "निर्यात और आयात नीति" से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय का सार्वजनिक सूचना पत्र सं. 1-आईटी सी (पी एन) 92-97, तारीख 31 मार्च, 1992 द्वारा प्रकाशित आयात और निर्यात नीति 1 अप्रैल, 1992-31 मार्च, 1997 अभिप्रेत है;
- (3) "अनुज्ञापन प्राधिकारी से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन बनाया गया आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 के अधीन अनुज्ञप्ति मंजूर करने के लिए सक्षम कोई प्राधिकारी अभिप्रेत है।

[फा.सं. बी-31/7/92-टी आर यू]

राजीव शर्मा, प्रवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 20th April, 1992

No. 161/92-CUSTOMS

G.S.R. 424(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52

of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components required for the manufacture of capital goods, when imported into India by a manufacturer of such capital goods for supply to a person holding a licence under the Export Promotion Capital Goods (EPCG) Scheme in terms of the Export and Import Policy (hereinafter referred to as the Policy) for import of capital goods, from—

- (a) so much of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as in the excess of the amount calculated at the rate of 15 per cent *ad valorem*; and
- (b) the whole of additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely:—

- (i) the goods are imported under, and in accordance with, a licence (hereinafter referred to as the said licence) granted by the licensing authority for the purpose of paragraph 46 of the Policy for the aforesaid purpose;
- (ii) the said licence specified, *inter-alia*,—
- (a) the description, quantity and value of components to be imported under the said licence;
- (b) the description, quantity and value of the capital goods to be manufactured;
- (iii) the importer complies with all the requirements specified in the Policy, in respect of the said licence;
- (iv) the importer executes a bond, in such form and for such sum, as may be specified by the Assistant Collector of Customs at the port of importation to the effect that—
- (1) the components shall be used for the purpose specified above and that the capital goods manufactured by the importer shall be supplied to the person holding the licence under the Export Promotion Capital Goods (EPCG) Scheme in terms of the Policy for import of capital goods;
- (2) the account of the said components received and consumed in the factory of the importer for the aforesaid purpose shall be maintained;
- (3) he shall produce a certificate issued by the Assistant Collector of Customs or Central Excise in whose jurisdiction the unit receiving the capital goods is situated, indicating the description and quantity of such capital goods supplied by the importer within a period of three months or such extended period as the Assistant Collector of Customs at the port of importation may allow; and
- (4) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with any of the above conditions, the duty leviable on the components but for the exemption contained herein.

Explanation—In this notification,—

- (i) "capital goods" means any plant, machinery, equipment or accessories required by an importer for manufacture of goods and shall include machinery for packing goods, testing equipment and equipment required for Research and Development activity;
- (ii) "Export and Import Policy" means the Export and Import Policy, 1st April 1992—31st March, 1997 published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC (PN)/92-97 dated the 31st March, 1992;

- (iii) "Licensing authority" means an authority competent to grant a licence under the Import (Control) Order, 1955, made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947).

[F. No. B. 31/7/92-TRU]  
RAJIV SHARMA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1992

सं. 162/92-सीमाशुल्क

शा.श.नि. 425(स).—केन्द्रीय सरकार, वित्त विभाग, 1992 के खण्ड 114 के उपखण्ड (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 122/92 सीमाशुल्क तारीख 1 मार्च, 1992 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में, क्रम सं. 298 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित संख्या और प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

"299:सं. 160-सीमाशुल्क, तारीख 20 अप्रैल, 1992

300:सं. 161-सीमाशुल्क, तारीख 20 अप्रैल, 1992।"

[फा.सं. बी. 31/7/92-टी.आर.यू.]

राजीव शर्मा, अवर सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 20th April, 1992

No. 162/92-CUSTOMS

G.S.R. 425(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 114 of the Finance Bill, 1992, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 122/92-Customs, dated the 1st March, 1992, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification, after S. No. 298 and the entry relating thereto the following S. Nos. and entries shall be added, namely :—

"299. No. 160—Customs, dated the 20th April, 1992.

300. No. 161—Customs, dated the 20th April, 1992."

[F. No. B. 31/7/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.